समाचार
स्मार्ट सिटी मिशन
आमनागरिकों से चर्चा एवं सुझाव हेतु चलाया जाएगा अभियान
(महापौर एवं आयुक्त ने ली अधिकारियों की बैठक, किया मार्गदर्शन, 13 से 16 जुलाई तक चलेगा अभियान)

कोरबा 09 जुलाई 2015 –भारत सरकार के स्मार्ट सिटी मिशन के अंतर्गत कोरबा नगर को स्मार्ट सिटी में शामिल किये जाने के लक्ष्य को लेकर इस संबंध में आमनागरिकों से चर्चा एवं उनके सुझाव प्राप्त करने हेतु निगम द्वारा 13 जुलाई से 16 जुलाई के मध्य एक विशेष अभियान चलाया जाएगा। आज महापौर श्रीमती रेणु अग्रवाल एवं आयुक्त श्री आलोक चन्द्रवंशी ने निगम के अधिकारियों की बैठक लेकर इस संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया।

भारत सरकार द्वारा देश के 100 शहरों को प्रथम चरण में स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित करने का मिशन क्रियान्वित किया गया है, जिसके तहत छत्तीसगढ़ राज्य के 02 शहरों को स्मार्ट सिटी मिशन में शामिल किए जाने की योजना हैं। औद्योगिक नगरी कोरबा स्मार्ट सिटी मिशन में शामिल हो इसके लिए आवश्यक तैयारियां एवं प्रयास प्रारंभ कर दिये गये हैं। इसी कड़ी में शासन के दिशा निर्देशों के अनुरूप एक विशेष अभियान चलाकर आमनागरिकों से चर्चा–परिचर्चा कर उनके सुझाव प्राप्त किये जाने हैं। नगर पालिक निगम कोरबा के मुख्य प्रशासनिक भवन साकेत स्थित सभागार में आज महापौर श्रीमती रेणु अग्रवाल एवं आयुक्त श्री आलोक चन्द्रवंशी ने निगम के अधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक ली तथा स्मार्ट सिटी मिशन के अंतर्गत किये जाने वाले प्राथमिक कार्यो के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया। महापौर श्रीमती रेणु अग्रवाल ने बैठक में अधिकारियों से कहा कि कोरबा नगर स्मार्ट सिटी योजना के अंतर्गत शामिल हो, इसके लिए हमें मेहनत करनी होगी तथा समस्त आवश्यक कदम उठाने होंगे। उन्होने कहा कि निश्चित रूप से कोरबा को स्मार्ट सिटी का दर्जा प्राप्त होना चाहिए तथा यह कोरबा की स्वाभाविक दावेदारी है। आयुक्त श्री आलोक चन्द्रवंशी ने अधिकारियों को मार्गदर्शन देते हुए बताया कि स्मार्ट सिटी मिशन के दृष्टिकोण में इस मिशन का उद्देश्य उन प्रमुख शहरों को प्रोत्साहित करना है, जो मुख्य अवसंरचना मुहैया कराते हैं तथा अपने नागरिकों को बेहतर जीवन स्तर प्रदान करते हैं, एक स्वच्छ और सुस्थिर वातावरण प्रदान करते हैं तथा स्मार्ट समाधान लागू करते हैं। उन्होने बताया कि इस संबंध में आमनागरिकों से चर्चा–परिचर्चा कर उनके सुझाव संग्रहित किये जाने हैं तथा इस चर्चा–परिचर्चा व सुझावों को दस्तावेजीकरण किया जाना हैं, इस हेतु शासन ने कुछ प्रमुख बिन्दु तय किये हैं। उन्होने बताया कि स्मार्ट सिटी के प्रमुख अवसंरचना तत्यों में जो विषय शामिल हैं, उनमें पर्याप्त जलापूर्ति, सुनिश्चित विद्युत आपूर्ति, ठोस अपशिष्ठ प्रबंधन सहित सफाई, सक्षम शहरी गतिशीलता और सार्वजनिक परिवहन, विशेषतः गरीबों के लिए किफायती आवास, सक्षम आई.टी. कनेक्टीविटी और डिजीटेलाईजेशन, सुशासन विशेषतः ई–गर्वनेंस और नागरिकभागीदारी, सुस्थिर पर्यावरण, विशेषतः महिलाओं, बच्चों और वृद्ध नागरिकों की सुरक्षा तथा स्वास्थ और शिक्षा आदि प्रमुख विषय हैं। इन्ही विषयों पर आमनागरिकों से चर्चा, वर्तमान में उपलब्ध सुविधाएं, भविष्य की योजनाएं तथा उनकी कार्यप्रगति आदि पर चर्चा व उनके सुझाव प्राप्त करने हैं। आयुक्त श्री आलोक चन्द्रवंशी ने अधिकारियों को दिशा निर्देश देते हुए आगे कहा कि 13 जुलाई से 16 जुलाई के मध्य यह कार्य संपादित करना है तथा जिन अधिकारियों को जिन वार्डो के दायित्व सौपे गये हैं, वे उन वार्डों के वार्ड पार्षदों एवं नागरिकों से संपर्क कर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें। स्वच्छ भारत मिशन के नोडल अधिकारी डॉ. संजय तिवारी ने स्मार्ट सिटी मिशन तथा स्वच्छ भारत मिशन आदि के संबंध में बैठक में विस्तार से जानकारी दी तथा सुझाव को किन प्रारूप में संग्रहित करना है, क्या–क्या कार्यवाहियां संपादित करानी है, आदि के संबंध में भी विस्तार से जानकारी प्रस्तुत की।

बैठक के दौरान महापौर श्रीमती रेणु अग्रवाल एवं आयुक्त श्री आलोक चन्द्रवंशी के साथ ही मेयर इन काउंसिल सदस्य दिनेश सोनी, उपायुक्त सुमन खरे, कार्यपालन अभियंता ग्यास अहमद, एम.एन.सरकार, आर.के. चौबे, आर.के. माहेश्वरी, निगम सचिव पवन वर्मा, राजस्व अधिकारी एन.एस. करपे, सहायक स्वास्थ्य अधिकारी व्ही.के. सारस्वत, स्वच्छ भारत मिशन के नोडल अधिकारी डॉ.संजय तिवारी आदि के साथ निगम के समस्त सहायक अभियंता, राजस्व अधिकारी, उप अभियंतागण आदि के साथ ही अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

संपादकव्यूरोचीफ.....
कृपया प्रकाशनार्थ सादर संप्रेषित

(रावेन्द्र सिंह)
सहायक जनसंपर्क अधिकारी
नगर पालिक निगम
कोरबा (छ.ग.)